।। श्री गुरु जी वन्दना ।।

मैं शरण पड़ा तेरी, चरणों में जगह देना,
गुरुदेव दया करके, मुझको अपना लेना।
करुणानिधि नाम तेरा, करुणा दिखलाओ तुम,
सोये हुए भाग्यो को, हे नाथ जगाओ तुम।
मेरी नाव भवर डोले, इसे पार लगा देना,
गुरुदेव दया करके, मुझको अपना लेना।

तुम सुख के सागर हो, निर्धन के सहारे हो,
इस तन में समाये हो, मुझे प्राणों से प्यारे हो।
नित्त माला जपूँ तेरी, नहीं दिल से भुला देना,
गुरुदेव दया करके, मुझको अपना लेना।

मैं सब का सेवक हूँ, तेरे चरणों का चेरा हूँ,
नहीं नाथ भुलाना मुझे, इस जग में अकेला हूँ,
तेरे दर का भिखारी हूँ, मेरे दोष मिटा देना,
गुरुदेव दया करके, मुझको अपना लेना।

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com